खबर संक्षेप

नेशनल हाईवे 30 सिझौरा के करीब हालोंन नहर में संदिग्ध हालत मिला एक व्यक्ति का शव

भुआबिछिया। जिले की बिछिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 सिझौरा के करीब हालोंन नहर में संदिग्ध हालत में युवक का शव तैरता मिला जिसकी जानकारी राहगीरों के द्वारा बिछिया थाना में दी गई जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी रन जीत सैयाम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया जिसकी पहचान कुड़ेला नयाटोला निवासी संतु उइके उम्र 50 वर्ष निवासी कुड़ेला नयाटोला के रूप में हुई जिसके शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिछिया में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया बिछिया पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मंडला में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन आज

मण्डला। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला मंडला द्वारा "लाड़ली लक्ष्मी उत्सव" का आयोजन 2 मई, दिन शनिवार को दोपहर 12 बजे झंकार भवन, मंडला में किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य "लाड़ली बेटियों के सर्वांगीण विकास की ओर बढ़ते कदम" को सशक्त बनाना है।

हरे-भरे फलदार, छायादार वृक्षों को सड़क निर्माण कंपनी ने किया धराशायी

एक पेड़ माँ के नाम, हम करें कत्लेआम

*** न तो वन विभाग और न ही राजस्व विभाग को दी जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

बिगड़ते पर्यावरण को यदि संभालना है तो वृक्षों को संरक्षित करना होगा और यही कारण है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार एक पेड़ माँ के नाम का अभियान चला रहे हैं अब तो माई की वाटिका योजना भी गांव-गांव जारी है लेकिन दुर्भाग्य देखिये कि जहां देश के नेता वृक्ष लगाने की बात कर रहे हैं उन्हें संभालने और बड़ा पेड़ बनाने की बात करते हैं तो वहीं हमारे जिले में तो कुछ अलग ही व्यवस्था कायम की जा रही है यहां बड़ी मात्रा में फलदार और छायादार पेड़ों को बड़ी बेदर्दी के साथ धराशायी कर दिया जाता है और इन पर्यावरण के दुश्मनों पर कोई कार्यवाही भी नहीं होती ऐसे में कैसे बचेगा पर्यावरण।

जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के दौरान हजारों की संख्या में बड़े-बड़े पेड़ काट दिये गये और उन पेड़ों की लकड़ियों का न तो आज तक कोई रिकॉर्ड सार्वजनिक किया गया और न ही इन पेड़ों के एवज में कितने वृक्ष लगाये गये यह भी कोई आंकड़ा सार्वजनिक हुआ। अब जबकि नेशनल हाइवे 543 के अंतर्गत डिण्डौरी से मण्डला मार्ग का निर्माण प्रगति पर है तो इस निर्माण के दौरान भी कितने बड़े-बड़े छायादार पेड़ों का कत्लेआम किया गया उसका भी कोई आंकड़ा अभी तक नहीं दिया गया है।

कल ही जिला मुख्यालय से सिर्फ 04 किलोमीटर दूर इसी राष्ट्रीय राजमार्ग 543 में आमानाला ग्राम में 03 फलदार वृक्ष बड़ी बेदर्दी के साथ धराशायी कर दिये गये इन वृक्षों में एक आंवला का वृक्ष था जो कि लगभग 25 वर्ष पुराना था उसके साथ एक जामुन का वृक्ष जो लगभग 15 वर्ष पुराना था और एक आम का वृक्ष जो लगभग 12 वर्ष की आयु का था ये तीनों ही पेड़ लोगों को न केवल छाया प्रदान करते थे बल्कि इनके फलों को खाकर लोग तृप्त भी हुआ करते थे। कल सुबह बिना किसी सूचना के बुल्डोजर के माध्यम से इन वृक्षों को जमींदोज कर दिया गया और इन पर सड़क की मिट्टी डाल दी गई जैसे इन्हें दफनाने का भी पूरा इंतजाम सड़क निर्माण कंपनी द्वारा कर दिया गया हो।

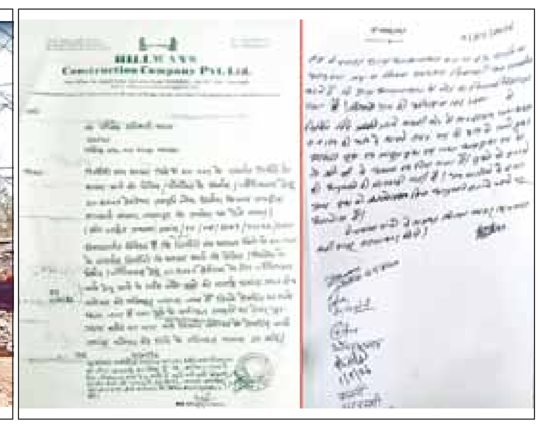

नही मानी ग्रामीणों की अपील

जब सुबह-सुबह वृक्षों को गिराया जा रहा था तो आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां आये और उन्होंने इन्हें न गिराने की विनती की बताया कि इन वृक्षों को व्यायाम शाला परिसर में पंचायत के द्वारा प्रतिष्ठापित करने का निर्णय लिया गया है लेकिन जो अधिकारी थे उन्होंने किसी की भी नहीं मानी और सुरक्षा की बाड़ सहित थोड़ी ही देर में इन तीनों वृक्षों को धराशायी कर दिया आनन-फानन में ये वृक्ष कटे न दिखाई दें तो कटे हुये वृक्षों के ऊपर आसपास की मिट्टी समेटकर डाल दी गई इस दौरान जो नल-जल योजना की पाईप लाईन थी उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया जब लोगों ने उनसे इन वृक्षों के काटने की कोई अनुमति होने की बात पूछी तो उक्त अधिकारी द्वारा न केवल ग्रामीणों से दुर्व्यवहार किया गया बल्कि यह भी कहा गया कि हमें इन पेड़ों के काटने की अनुमति प्राप्त है।

पेड़ों के इस तरह काटे जाने से क्षुब्ध ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी और राजस्व विभाग को भी पेड़ों के काटे जाने की जानकारी दी जानकारी मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और उनके द्वारा भी इस तरह पेड़ों के कत्लेआम पर दुख प्रदर्शित किया गया वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि ऐसे कैसे बिना अनुमति के छायादार और फलदार वृक्षों को इस तरह काटा जा सकता है अब इन वृक्षों की लकड़ी को वन विभाग किस तरह परिवहन करेगा और कैसे उसका रिकॉर्ड संधारण करेगा। इसी तरह राजस्व विभाग के अधिकारी ने भी वृक्षों के काटे जाने की कोई भी सूचना या जानकारी अपने पास नहीं होने की बात कही। तहसीलदार मण्डला ने तुरंत ही मौके पर पटवारी को भेजा और पंचनामा बनवाया निश्चित रूप से यदि पेड़ काटना आवश्यक था तो राजस्व विभाग और वन विभाग को विश्वास में लेकर नियम के तहत काटना चाहिये था।

विकासखंड स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

मण्डला। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव के नेतृत्व में विकासखंड स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित रानी दुर्गावती शासकीय कन्या आश्रम सालीवाड़ा, विकासखंड मोहगांव की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विकासखंड स्तरीय प्रवीण सूची में कक्षा 5वीं में प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह के दौरान क्षेत्रीय विधायक ने प्रतिभावान छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नर्मदा घाट की स्वच्छता के लिए श्रमदान

मण्डला। बैसाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जिले के विकासखंड निवास अंतर्गत ग्राम बसगढ़ी के नर्मदा घाट पर ''रेवा सेवा समागम'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी एवं ब्लॉक समन्वयक सूरज बर्मन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं, छात्र-छात्राओं, प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्थाओं के सदस्यों ने श्रमदान कर घाट की साफ-सफाई की।

पुलिस थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान शुरू

भुआबिछिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रहा है। कानून व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिछिया बस स्टैंड और नेशनल हाईवे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। इस कार्रवाई की सबसे अहम बात यह है कि पुलिस के साथ BDS (Bomb Disposal Squad) यानी बम निरोधक दस्ते की टीम भी मौके पर मौजूद है। यह टीम आधुनिक उपकरणों के साथ संदिग्ध वाहनों और लावारिस वस्तुओं की बारीकी से जांच कर रही है। नेशनल हाईवे से गुजरने वाले हर संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली जा रही है। बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी यात्रियों के सामान की चेकिंग की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे। स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तत्काल नजदीकी थाने में दें।

1 किलो 70 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 30.04.2026 को चौकी हिरदेनगर पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर बिक्री हेतु घूम रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुर क्रांति कुमार ब्रम्हे द्वारा टीम गठित कर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक हरछट ठाकुर के नेतृत्व में तत्काल मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गई।

कार्यवाही के दौरान आरोपी के कब्जे से एक थैले में रखे 1 किलो 70 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50,000/- है। मौके पर विधिवत जप्ती कार्यवाही कर आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया।

आरोपी के विरुद्ध थाना महाराजपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को दिनांक 01.05.2026 को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

कार्यवाही में उप निरीक्षक हरछट ठाकुर, सउनि रमेश पटेल, प्र.आर. धीरज नाग, उत्तम सिंह गोठरिया, आरक्षक सुनील सिंह, महेश उइके एवं रशीद पुशाम की सराहनीय भूमिका रही।

वैशाख पूर्णिमा के पावन पर्व महिलाओं ने आदिशक्ति मंदिर में किया पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

वैशाख पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इसी दिन भगवान विष्णु ने कूर्म अवतार धारण किया था और महात्मा बुद्ध का जन्म, ज्ञान-प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे बुद्ध पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है।

इस पावन अवसर पर नगर की महिलाओं ने एक लाल परिधान में मां आदिशक्ति माँ जगदंबा के दरबार मंदिर में महिलाओं ने मां को श्रृंगार और चुनरी समर्पित कर मां से आशीर्वाद प्राप्त किया, उसके बाद सभी महिलाओं ने सुहाग लेकर माँ ओ शान माता का भी आशीर्वाद प्राप्त किया इस कार्यक्रम में शामिल एवं सहयोग प्रदान करने वाली

महिलाएं! श्रीमती अरुणा दीक्षित, अंजू शुक्ला, मीता चौबे, ललिता मिश्रा, नीलम सोनी, साधना बाजपेई, नेहा मिश्रा, रजनी राय, मीनल चौबे, सरोज साहू, आरती साहू, श्रेया मिश्रा, आरती मोदी, श्वेता मोदी, दीप्ति साहू, वर्षा सोनी, आरती चौरसिया, वर्षा चौरसिया, स्मिता चौकसे, नेहा सोनी, मनीष मिश्रा, अरुणिमा दुबे, रोशनी गोसाई, कविता भट्ट, लक्ष्मी भट्ट, आस्था उपाध्याय, रश्मि सोनी, रेणु सोनी, मंजू तेकाम, नीलम तिवारी, प्रियंका पांडे, ज्योति कटारिया, खुशबू राय, आप सभी ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने और सफल बनाने के लिए आप सभी सज्जनों को हृदय से धन्यवाद ऐसे ही आप सभी से हर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने की आशा करती हूं एवं धन्यवाद उन्हें भी जो किसी कारणवश नहीं आ पाए लेकिन अपना सहयोग पूर्ण प्रदान किया।

कार्यवाही | पिंडरई बाजार चोरी कांड का खुलासा, पारदी गैंग के 5 आरोपी गिरफ्तार।

52,00,000 से अधिक के जेवर एवं वाहन जप्त

*** सराफा व्यापारी से हुई लाखों की चोरी का खुलासा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी नैनपुर के मार्गदर्शन में चौकी पिंडरई पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने पिंडरई बाजार में सराफा व्यापारी के साथ हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पारदी गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर मशरूका बरामद किया है।

दिनांक 25.04.2026 को फरियादी पवन कुमार सोनी निवासी कन्हरगांव द्वारा चौकी पिंडरई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह पिंडरई बाजार में सराफा दुकान लगाने आया था। दुकान लगाने के दौरान अज्ञात व्यक्ति उसके सोने-चांदी के जेवर, नगदी, गिरवी रजिस्टर एवं अन्य दस्तावेजों से भरे बैग को चोरी कर फरार हो गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपीगण जिला सीहोर के ग्राम लमटी राला पारदीपुरा क्षेत्र के निवासी हैं, जो कंगन, चूड़ी एवं रुद्राक्ष बेचने के बहाने मंडला, सिवनी एवं बालाघाट जिले के विभिन्न गांवों एवं बाजारों में घूमते थे। आरोपीगण समनापुर-सांगवा क्षेत्र के मध्य रेलवे लाइन के पास नाला किनारे अस्थायी डेरा बनाकर रह रहे थे।

दिनांक 25.04.2026 को आरोपीगण चोरी की योजना बनाकर पिंडरई बाजार पहुंचे। बाजार में एक दुकान के सामने रखे थैले में सोने-चांदी के जेवर होने की जानकारी मिलने पर आरोपी विधि से संघर्षरत बालक द्वारा मौका पाकर थैला चोरी कर लिया गया। इसके बाद आरोपी मोटरसाइकिल एवं अल्टो कार से फरार होकर अपने डेरे पहुंचे, जहां चोरी किए गए सामान का आपस में बंटवारा किया गया।

पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नगदी एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आरोपियों में अपनू लाल पारदी पिता शिवराज पारदी, उम्र 35 वर्ष, निवासी लमटी राला पारदीपुरा थाना नसरूल्लागंज जिला सीहोर। निरकेस पिता निरकालिस, उम्र 26 वर्ष, निवासी लमटी राला पारदीपुरा थाना नसरूल्लागंज जिला सीहोर। अरिसमिन पिता राजपुत्तर पारदी, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम मूंदीखेड़ी थाना जावर जिला सीहोर। विधि से संघर्षरत बालक। विधि से संघर्षरत बालक शामिल थे।

जप्त सामग्री में सोने के आभूषण 278 ग्राम 340 मिलीग्राम, कीमत लगभग 38,41,000/-, चांदी के आभूषण 5 किलो 492 ग्राम, कीमत लगभग 10,98,600/-, अल्टो कार एवं TVS राइडर मोटरसाइकिल, कुल कीमत लगभग 3,20,000/-, नगदी 30,000/- कुल जप्त मशरूका कीमत लगभग 52,89,600/- हैं।

गौतम बुद्ध की 2570 वी जयंती पर आयोजित हुये विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विश्व को शांति का संदेश देने वाले महाकारूणिक तथागत गौतम बुद्ध की 2570 वी जयंती/त्रिगुण पावन पूर्णिमा पर मंडला में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, बुद्धिस्ट सोसायटी के महासचिव शरद मेश्राम ने बताया कि बौद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर 30.04.2026 को शाम 6 बजे विशाल शांति रैली आयोजित की गयी है जो नेहरू स्मारक से प्रारंभ होकर सहर के मुख्य मार्ग से होती हुयी डॉ भीमराव अंबेडकर चौक

पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरांत समाप्त हुयी रैली का नेतृत्व पुज्य भदंत धम्म दीप महानंद बोधी जी और विभिन्न जिलों से शिविर में पधारे श्रामनेर द्वारा किया गया। नगर में शांति का संदेश देते हुए यह सभी अनुयायी देवदरा स्थित बुद्ध विहार पहुंचे। बुद्ध विहार में चल रहे 10 दिवस के श्रामणेर शिविर का समापन हुआ। कल 1 मई 2026 को त्रिगुण पावन पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध विहार में पूजा,वंदना,धम्म देशना और विश्व के स भी प्राणियों हेतु मंगल मैत्री के उपरांत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिससे 10 रक्तदाताओं ने रक्त दान किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के हाथों से रक्तदान करने वाले साथियों को समिति की ओर से निशुल्क हेल्मेट वितरित किया गया है। साथ ही जिला चिकित्सालय के पैथोलॉजिस्ट डॉ योगेश शीरसयाम द्वारा रक्त दान करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। रक्तदाताओं में शरद मेश्राम, राहुल बासनिक, प्रयाग राज वैद्य, रेखा मेश्राम, पूनम बौद्ध, भीम राव बांगरे, सरोज कुमार आड़कने, आलोक मेश्राम, संदीप अहिरवार, राज कुमार रैदास शामिल रहे।

बैशाखी पूर्णिमा मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

शहर से लेकर क्षेत्र की सड़कों पर रात भर पैदल स्नान करने जाने वालों की निकलते हुये देखे गये जत्थे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रदान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर माह पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये रविवार की रात यानि की बुद्व बैशाखी पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है वही निश्चित तौर से अनोखा था..। इस वर्ष माँ संतोषी व माँ वैभव लक्ष्मीजी के प्रिय दिवस शुक्रवार को वौद्व पूर्णिमा पड़ना बडा ही शुभ बताया जाता है। वही दूसरी ओर इस समय प्रतिदिन बन बिगड़ मौसम के बीच पडी रही भीषण गर्मी के बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह देखे जा रहे थे कि मौसम की मनमानी भी उनके दिलों में पैदा हुई माँ नर्मदाजी की भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई। रात के समय पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस तरह शहर के बीचों बीच से निकल रहे माँ के भक्तों को पानी टंकी के पास मनोज पटैल की टीम द्वारा तो पलोहा नाका पर समाजसेवी सुनील राजपूत द्वारा चाय नास्ता के साथ सभी पैदल जा रहे भक्तों का स्वागत किया गया। इस संबंध में ग्राम मोहपानी निवासी माँ नर्मदा भक्त महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से ग्राम चारगांव निवासी एक 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि हम अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इसी प्रकार से जब वह रविवार की शाम आसमान में छाये हुये बादलों के बीच उमस भरी गर्मी के दौरान नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही थी तो नगर की पानी टंकी के पास पूर्व पार्षद व समाजसेवी मनोज पटैल द्वारा हर पूर्णिमा पर नर्मदा भक्तों के लिये चाय पिलाने के लिये की जाने वाली व्यवस्था के दौरान चाय पीने के लिये बैठे हुये नर्मदा भक्तों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि भले ही तेज गर्मी है। मगर हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने का क्रम नही छोड़ सकते है। जब हम पैदल चलते है तो कोई परेशानी होती है। क्योंकि इस धरती पर हर व्यक्ति की रक्षा करने वाले माँ नर्मदा ही है जब जिस माँ की पूजन अर्चन करने के लिये हम ला रहे है तो फिर वह माँ अपने बेटों को यदि कोई परेशानी होगी तो खुद ही उसे चंद मिनिटों में हरण करने से नही चूकेगी। इस तरह से ग्राम तेंदूखेड़ा से पैदल नर्मदा स्नान करने के लिये जा रही एक वृद्व लगभग 65 वार्षिय महिला से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि यह पहला अवसर नही है कि जब हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जा रहे है। हमारे द्वारा हर साल इस तरह पूर्णिमा के मौके पर तीन चार बार पैदल जाते है। जब उनसे पूछा गया कि अम्माजी इस तरह आज भीषण गर्मी के बीच आपको परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा.. तो उनका कहना था कि अब परेशानी तो घर बैठे भी आ सकती है। उसी परेशानी को माँ नर्मदाजी हरण करती है तो फिर जब उनके चरणों का आर्शीवाद लेने के लिये जा रहे है परेशानी कहा से आ सकती है। इस तरह बीते हुये सोमवार की रात नगर की सड़को पर जहां तेज गर्मी के बीच हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह बैशाखी पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी?

शहर के बीटीआई स्कूल में प्राचार्य ने सरस्वती पूजन करते हुये समर कैम्प का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

खेल की विधा इस तरह से होती है कि जहां व मनोरंजन प्रदान करने के साथ साथ बच्चों को स्वस्थ्य बनाने में पीछे नही रहती है। इसी के चलते हर साल गर्मी के मौसम में अवकाश के बीच शिक्षण संस्थाओं के समर कैम्पों का आयोजन करते हुये बच्चों को अनेक प्रकार के खेलों के लिये दक्ष बनाया जाता है। इसी के चलते बीते हुये दिवस स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीटीआई स्कूल मे ग्रीष्मकालीन समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प का शुभारंभ शुक्रवार को बैशाखी पूर्णिमा के अवसर पर संस्था की प्राचार्य श्रीमति सुनीता पटैल द्वारा माँ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। बताया जाता है कि यह समर केम्प में 1 मई से 30 मई तक प्रातः 7:30 से 12:30 तक आयोजित किया जावेगा। इस कैम्प के दौरान बच्चों म्यूजिक, कंप्यूटर, इंग्लिश स्पोकन कोर्स, गेम्स, योगा, चित्रकला, पेंटिंग एवं अन्य गतिविधिया सिखाई जायेगी। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती पटैल ने कहा कि समर केम्प का लाभ सभी छात्र छात्रायें उठायें। उदघाटन कार्यक्रम में राजेश दुबे, मनमोहन शर्मा, के के राजोरिया, के के गुप्ता, श्रीमती सरिता मालवीय, सुषमा तिवारी, शकुंतला माझी, पुष्पा कोरी, सूरज कहांर तथा समर कैम्प में शामिल होने वाले दर्जनों बच्चे मौजूद थें।

पत्नी का सिर दीवार में मारते हुये चोट पहुंचाई

चीचली। नगर के वार्ड क्रमांक 9 निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब वह अपने घर पर थी उसी समय प्रार्थिया का पति केवल कहार शराब पीकर आया और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से रोका तो आरोपी पति द्वारा अपनी पत्नी का सिर पकड़कर दीवार से मार दिया गया। घटना में प्रार्थिया को चोटे अपने के चलते पुलिस द्वारा आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानों की आई बाढ़ आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा, जांच के नाम पर संबंधित विभाग द्वारा निभाई जाती है औपचारिकता..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समाान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपाानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर इनकी सच्चाई पर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है और यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें...? यह बात जरूर है कि खाद विभाग के अधिकारियों द्वारा तीज त्यौहार के मौके पर जरूर कुछ दुकानों पर जांच करने की औपचारिकता निभाते हुये जांच के नाम पर खाना पूर्ति कर ली जाती है। क्योंकि कुछ साल पहले दिवाली के मौके पर गाडरवारा क्षेत्र के तत्कालीन खाद अधिकारी द्वारा जिस प्रकार से नगर के शांतिदूत तिरहा एक मिठाई दुकान सहित उसके निर्माण स्थल व गोदाम में जिस तरह छापा मारते हुये सैम्लिंग की गई थी उस दौरान जांच अधिकारी द्वारा मीडिया के समक्ष इस बात को स्वीकार किया गया था इस सामग्री में काफी गड़बडी है। मगर उस जांच का आज तक क्या हुआ किसी को पता नही है? इसी तरह का हाल अन्य दुकानों का भी देखने मिल रहा है जहां पर जांच के नाम पर जिला मुख्यालय से आने वाले अधिकारी द्वारा जांच की औपचारिकता तो निभाते हुये कागजी खाना पूर्ति तो की जाती है मगर लक्ष्मी के आर्शीवाद मिलते हुये मामला वही शांत होने से नही चूक पाता है? सही मायने में देखा जावे तो इस तरह खाद विभाग के लिये अमान स्तर पर विक्रय होने वाली सामग्री की दुकाने दुधारू गाय साबित होने से नही चूक पा रही है? क्योंकि इस तरह ब्रांण्डेड कंपनी से मिलते जुलते सामन की विक्री से बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम

लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आई एस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है? मगर ग्राहकों की जागारूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लालच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है? एक्सपायरी डेट का उल्लेख नही- यदि इन समानों पर गौर किया जावे तो कई वस्तुओं पर तो इसके निर्माण की तिथि तक नहीं लिखी रहती और कई जगह एक्सपायरी डेट का समान बिकते हुए भी देखा जाता है? इन उत्पादों को शहर की गलियों सहित गांव गांव में बेचा जा रहा है। शहर सहित आसपास के कस्बों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में लाखों का कारोबार होता है। वही अच्छी कंपानियों का कमीशन कम है और दुकानदारों की मांग के अनुरूप इसकी पूर्ति नहीं होती है। इस कारण बाजार में इन नामों से मिलते जुलते प्रोडक्ट की बाढ़ देखने मिल रही है? वही दूसरी ओर यदि प्रशासन की सक्रियता पर गौर किया जावे तो इनके द्वारा कभी कभार ही इस प्रकार की दुकानों का कभी कभार ही निरीक्षण किया जाता है वह भी मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के चलते इस प्रकार से गुणवत्ताहीन सामन की बिक्री करने वालों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे है?

मजदूर दिवस पर एन.टी.पी.सी. श्रमिक सभा ने किया श्रम शक्ति का सम्मान

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस एनटीपीसी श्रमिक सभा द्वारा मजदूरों के सम्मान में एक भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शुक्रवार 1 मई को भले ही शासन द्वारा मजदूरों के सम्मान में किसी तरह से कोई कार्यक्रम आयोजित नही किये गये हो। मगर श्रमिक सभा हर साल की भांति अपने मजदूर साथियों को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर सम्मान देने से नही चूकती है। इसी के चलते अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर एनटीपीसी श्रमिक सभा द्वारा मजदूरों के सम्मान में एक भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की शुरूआत करते हुये श्रम के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा जी और शक्ति-निष्ठा के प्रतीक श्री हनुमान जी के संयुक्त पूजन-अर्चन करते हुये आर्शीवाद ग्रहण करते हुये अपनी जान जोखिम में डालते हुये कार्य करने के दौरान संकटो से मुक्ति की प्रार्थना की गई। वही एनटीपीसी में वर्षभर

अपनी लगन, निष्ठा और जिम्मेदारी से उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिक बंधुओं को सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर श्रमिकों के चेहरे गर्व से खिल उठे और उनके चेहरों में एक अनोखी मुस्कान देखने मिली। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डोगरगांव थाना प्रभारी प्रकाश पाठक के आलवा एनटीपीसी एच आर विभाग से सुदेश राजे, दिव्य गौरव सहित श्रमिक सभा के पदाधिकारी गणों सहित सदस्य मौजूद रहे। श्रमिक सभा के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि एनटीपीसी हो या फिर कोई भी उद्योगों से लेकर छोटे मोटे भवननिर्माण सहित अन्य कार्यो की नींव श्रमिकों की मेहनत पर टिकी होती है। भले कंपनी का मालिक कितना ही धनवान क्यों न हो यदि उसे अपने उद्योग को चलना होता है तो मजदूरों की मेहनत के भरोसे ही चलता है। यदि किसी भी संस्था में मजदूर कार्य नही करेगे तो उसका संचालन हो पाना मुश्किल होने से नही चूकेगा। इसलिये वह आज के दिन सम्मान के पूर्णरूप से हकदार है और उनका सम्मान करना पूरे संस्थान का सम्मान है।मजदूर दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस हर हाथ का उत्सव है जो देश को रोशन करता है, बनाता है और आगे बढ़ाता है। इस दौरान कार्यक्रम में पधारे हुये अतिथियों द्वारा मजदूरों को सम्मानित किया गया।

चीचली शहर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को सुधारने में असफल हो रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

यातायात व्यवस्था सुधारने से लेकर लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने के लिये आये दिन पुलिस को क्षेत्र की सड़को पर अपने हाथों में एक डायरी रूपी कट्टा रखे हुये चालानी प्रक्रिया को अंजाम देते हुये देखा जा सकता है, मगर इस समय जिस प्रकार से चीचली नगर के अंदर जो यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है उस ओर चीचली पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि जहां नगरवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर महिलाओं को नगर के अंदर की सड़को से निकलना मुश्किल हो चुका है? क्योंकि इस समय नगर के बाजार क्षेत्र की मुख्य सड़क पूर्णरूप से वाहन स्टेन्ड के रूप में नजर आने से नही चूक पा रही है, क्योंकि जिस प्रकार से वाहन मालिको द्वारा अपने वाहनों को मुख्य सड़क सहित लोगों के घरों के सामने खड़े किये जा रहे है उसके चलते नगर की सड़को से वाहन निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो चुका है, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से लोगों के घरों के सामने वाहन खड़े किये जा रहे है उसके चलते आये दिन विवाद की स्थिति पैदा होने से भी नही चूक पा रही है? मगर यातायात में सुधार लाने के नाम पर चालानी कार्यवाही में मस्त रहने वाली चीचली पुलिस द्वारा इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उससे यह जान पड़ने लगा है कि शायद चीचली पुलिस द्वारा नगर के अंदर किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो? इस प्रकार से देखा जा रहा है कि पुलिस की उदासीनता के चलते चीचली नगर के अंदर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से बेहाल हो चुकी है।

आटों चालकों द्वारा खुलेआम किया जा रहा यात्रियों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर सहित क्षेत्रों सड़कों पर दौड़ रहे आटों चालकों की इस प्रकार की मनमानी देखने मिल रही है कि वह जहां यातायात व्यवस्था को बदहाल बना रहे है, वही दूसरी ओर आये दिन देखा जाता है कि जहां तहां आटों खड़े कर दिये जाने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर ओवर लोडिंग आटों चलाना आम बात हो रही है? इतना ही नही पुलिस प्रशासन की उदासीनता के चलते अब तो इन आटों चालकों के हौसले इतने बुलंद दिखाई पड़ने लगे है कि वह आटों में सबारी करने वाले यात्रियों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ करते हुए देखे जा रहे है। इस बात की सच्चाई उस समय देखने मिली जब एक आटों में सबारियों के साथ साथ गैस सिलेण्डर भरकर सड़क पर दौड़ाया जा रहा था, इस प्रकार से जहां किसी आटों में गैस सिलेण्डर परिवहन करना नियम विरूद्ध माना जाता है, जिसमें प्रमुख रूप से सबारियों के साथ खुलेआम आम लोगों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ ही जान पड़ रहा है? मगर इसके बाद भी स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देना इस बात को संकेत देते हुए जान पड रहा है कि शायद पुलिस प्रशासन ही किसी बडी घटना का इंतजार करते हुए देखा जा रहा है?

मिलावटी ईधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोंग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व हृदय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध रूप से पशुओं की तस्करी, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली कही जावे या फिर इस तरह पशुओं पर अत्याचार करने वालों के ऊपर प्रभावशालियों का हाथ होने के चलते इस प्रकार के

पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़ियों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है, इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है, वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से प्रशासन के अधिकारियों की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है? यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने? मगर पशुओं की लगातार हो रही तस्करी से पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए नजर आ रहा है?

ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बिजली बिल नहीं मिलने से परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की बसूली को लेकर सख्ती बरती जा रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बिजली उपभोक्तओं को समय पर बिजली बिल नही मिलने की स्थिति में वह अपने बिलों का समय पर भुगतान नही कर पाने के कारण जबरन उनसे लेट बिल जमा करने का दंड बसूलना कहा तक उचित है? इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बिलों का वितरण होना अब बंद हो चुका है और बिजली विभाग द्वारा मोबाईल के माध्यम से बिल भेजे रहे है। इस स्थिति में अनेकों पर ग्रामीण उपभोक्ताओं के मोबाईलों पर बिजली संबंधी सूचना नही आती है और ग्रामीण जन इतने पढे लिखे भी नही होते है जो अंग्रेजी में आने वाले बिल को पढ सके इस हालत में ग्रामीणजन अपना बिल जमा करना भूल जाते है। इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में लाईन मेन द्वारा किये जाने की जगह आम नागरिकों को थोंक के पाव में बिलो की सूचना थमा दी जाती है और कह दिया जाता है कि वह सभी को बिलों की सूचना वितरण कर दे। मगर इस स्थिति कि चलते स्थिति यह बनती है कि यह बिल समय पर उपभोक्ताओं के पास नही पहुंचने के कारण जहां व समय पर बिलों का भुगतान नही कर पा रहे है, जिसके चलते या तो उनके बिजली कनेक्शन कट जाते है या फिर उनसे बिजली विभाग द्वारा समय पर बिल जमा नही किये जाने की बात

को लेकर अंतिरिक्त दंड स्वरूप बिलों की अदायगी कराये जाती है? यही हाल दूर संचार विभाग का भी देखा जा रहा है जो आम लोगों से अपने बिलों का वितरण कराये जाने के कारण समय पर उपभोक्ताओं को देयक बिल नही मिलने के कारण वह परेशान होते हुए देखे जाते है? अब सबाल यह उठता है कि जब विभाग की लापरवाही के चलते जब समय में उपभोक्ताओं को बिल नही मिल रहे है तो वह बिलों को समय पर जमा नही कर पाने में दोषी कैसे हो गया जिसके चलते उसे अतिरिक्त राशि दंड स्वरूप जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? क्या विभाग की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नही हो रहा है?

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी
सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026
प्रथम उपहार 1 कार
द्वितीय उपहार
3 नग बाईक
तृतीय उपहार
10 नग LED TV
चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज
पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन
छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा
सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन
आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग
नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट
दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स
ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार
नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।
आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें
हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789

खबर संक्षेप

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पूर्व न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं वर्तमान अध्यक्ष, सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में रविवार 3 मई को प्रातरू 10 बजे से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दंडाधिकारी गजेन्द्र नागेश ने सभी संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी के साथ समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जनगणना की मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर लता बान ने बताया कि जनगणना वर्ष 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत एक मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य किया जाएगा। इस कार्य की मॉनीटरिंग के लिए कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर के द्वितीय तल पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उक्त कंट्रोल रूम के प्रभारी सहायक प्राध्यापक गजेन्द्र कुमार सिंह को नियुक्त किया गया है।

नलकूप खनन पूर्णतः प्रतिबंधित, आदेश जारी

जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने मप्र पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत जनहित में जिले के समस्त विकास खंडों के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। जल अभावग्रस्त क्षेत्र संबंधी आदेश 30 जून 2026 तक लागू रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिए नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नहीं करेगा। जिले के समस्त विकासखंडों एवं नगरीय क्षेत्रों के समस्त नदी, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुंओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया जाता है।

नलकूप खनन प्रतिबंधित

जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राइवेट ठेकेदार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किए बिना किसी भी प्रयोजन के लिए नवीन नलकूप का निर्माण नहीं करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा। जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य करना है, उन्हें ऐसा करने के लिए निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को आवेदन करना होगा। जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया जाता है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अनुमति देने के पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण करेंगे तथा अनुमति दिए जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत अनुशंसा प्राप्त करेंगे। खनित नलकूप असफल होने पर नलकूपों में से केसिंग नहीं निकाली जाएगी। नलकूप में केप लगाकर चारों ओर 0.50 गुणा 0.50 गुणा 0.60 मीटर के साईज का सीमेंट कांक्रीट ब्लॉक बनाना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रोत को पेयजल परीक्षण संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के अधीन अधिग्रहण निश्चित अवधि के लिए कर सकेंगे।

प्रशासनिक अमल करेगा निगरानी

आदेश के उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 9 (मध्यप्रदेश पेयजल परिक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के द्वारा संशोधित) एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जा सकेगी। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सिंह ने आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, सभी थाना प्रभारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त फील्ड स्तर के अधिकारी कर्मचारी, सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा सभी ग्राम पंचायतों के सचिवों को सुनिश्चित करने को कहा।

जल स्तर पर आ रही गिरावट

उल्लेखनीय है कि कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्रीष्म ऋतु में नरसिंहपुर जिले के औसत भू-जल स्तर में गिरावट हुई है। सिंचाई इत्यादि कार्यों में भू-गर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पेयजल स्त्रोतों के जल स्तर में कमी आई है। इस कारण जिले के समस्त विकासखंड एवं नगरीय शहरी क्षेत्रों के नलकूपों एवं अन्य जल स्त्रोतों के जल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे जिले में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की संभावना है। पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुए उनके द्वारा अनुशंसा की गई है कि निजी नलकूप खनन में पूर्णत प्रतिबंध लगाया जावे, जिससे सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों की क्षमता प्रभावित न हो। जनहित में पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं को देखते हुए जनता को पेयजल प्रदाय बनाए रखने एवं बढ़ाने के लिए पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया गया है।

नीलगाय को बचाने के चक्कर में पलटी बस, यात्री घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीती रात जिले के सुआतला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नेशनल हाईवे-45 पर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। गजानन होटल के पास एक यात्री बस अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए पलट गई। सुखद बात यह रही कि बस में सवार सभी 36 यात्री सुरक्षित हैं। हादसा रात करीब 3 बजे का बताया जा रहा है। इंदौर से सीधी जा रही बस क्रमांक एमपी 19 जेडजे 8060 जब रौंसरा के नजदीक स्थित गजानन होटल के पास पहुंची, तभी अचानक सड़क पर एक नीलगाय आ गई। बस चालक ने नीलगाय को बचाने के लिए तेजी से कट मारा, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया। बस सड़क की रेलिंग को तोड़ते हुए दूसरी दिशा में जाकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही सुआतला थाना प्रभारी प्रियंका केवट पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। हादसे में कुछ यात्रियों को मामूली खरोंचें आई हैं। हालांकि, उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर अन्य वाहनों का इंतजाम किया और यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया। बस में सवार यात्री डॉक्टर विवेक पटेल ने बताया कि हम भोपाल से बस में सवार हुए थे। स्लीपर बस होने के कारण लगभग सभी यात्री सो रहे थे। अचानक रेलिंग से टकराने की तेज आवाज आई और सबकी नींद खुल गई। पल भर में ही बस दूसरी तरफ जाकर पलट गई। यह ईश्वर की असीम कृपा है कि हम सभी सुरक्षित हैं। इस दुर्घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। हाईवे पर यातायात को सुचारू करने के लिए क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटाया गया।

जनगणना हेतु घर-घर पहुंच रहे प्रगणक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में संपन्न किया जाएगा, जिसमें प्रथम चरण 'मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना' का कार्य 01 मई से 30 मई, 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इस चरण में आधुनिक डिजिटल तकनीक और स्व-गणना की सुविधा का उपयोग किया जा रहा है। स्व-गणना करने वाले नागरिक प्रगणकों के घर-घर भ्रमण के दौरान अपना एसइआईडी नंबर साझा कर सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं, जिससे मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की प्रक्रिया को पूर्ण किया जा रहा है। निर्धारित अवधि के दौरान प्रगणक घर-घर जाकर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के माध्यम से आवश्यक जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। साथ ही, नजरी नक्शे पर मकानों का सूचीकरण करते हुए समस्त जानकारी का संकलन डिजिटल रूप से किया जा रहा है।

शिक्षा की गुणवत्ता व विद्यार्थियों के भविष्य के लिए प्रयास जारीः मंत्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयासों से शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त हो, जिससे वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकें, हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके और उन्हें उनकी रूचि अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके। मंत्री उदय प्रताप सिंह चावरा विद्यापीठ में नरसिंहपुर जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह के आगमन पर उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंत्री श्री सिंह ने इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों का सम्मान किया। मंत्री श्री सिंह ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा

कि हमारी सरकार ने शिक्षा के हर क्षेत्र के लिए बजट में वृद्धि की है, जिससे विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिले, इसके लिए सुविधाओं का भी विस्तार किया गया है, जिससे विद्यार्थी आगे बढ़कर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्वक शिक्षा देना आवश्यक है, जिससे विद्यार्थी अपनी रूचि अनुसार विषयों का चयन कर आगे बढ़ सकें। आयोजित कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश और जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने भी संबोधित किया।

कलेक्टर ने संजय निकुंज ने नर्सरी का किया औचक निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने उद्यानिकी विभाग की संजय निकुंज नर्सरी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आम, गुलाब, नींबू, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती, कटहल, गुड़हल, आंवला और अनानास सहित विभिन्न फलदार व सजावटी पौधों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।नर्सरी प्रभारी पुरुषोत्तम उइके ने जानकारी दी कि नर्सरी में नींबू के 250, आम के 190, स्ट्रॉबेरी के 260 और नाशपाती के 256 पौधे सहित कई प्रजातियों के पौधे उपलब्ध हैं।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पौधों की नियमित सिंचाई सुनिश्चित की जाए और समय-समय पर दवाओं का छिड़काव किया जाए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे किसानों एवं आम नागरिकों को अधिक लाभ मिलेगा।निरीक्षण के दौरान नर्सरी की हरियाली, फलदार पौधों पर लगे आम, नाशपाती व आड़ू के फल तथा खिले गुलाब के फूल आकर्षण का केंद्र रहे। कलेक्टर ने नर्सरी के बेहतर रखरखाव की सराहना करते हुए इसे और उन्नत बनाने के सुझाव भी दिए।इस अवसर पर जिला पंचायत

सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, सुश्री आभिलाषा चौरसिया, सुश्री नेहा धूरिया, श्रीमती रूची टेकाम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य का शुभारंभ कर्मियों का परिवारों ने किया आत्मीय स्वागत

डिंडौरी । भारत की जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और आवास गणना का कार्य आज से औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। यह अभियान 30 मई 2026 तक चलेगा।इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी सुश्री भारती मरावी के निर्देशन में पहले दिन बजाग क्षेत्र के उत्कृष्ट विद्यालय बजाग और उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जनगणना 2027 से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी गई और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए सभी प्रगणकों को HLO ऐप के माध्यम से डेटा संकलन की प्रक्रिया समझाई गई।

इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बजाग सुश्री भारती मरावी

तहसीलदार भरत सिंह बट्टे बीआरसी ब्रजभान सिंह गौतम और सहायक प्रबंधक भरत अग्रवाल की उपस्थिति में HLB क्रमांक 0088 के अंतर्गत प्रगणक अनुग्रहदीप और पर्यवेक्षक चंद्रभान शर्मा ने जनगणना कार्य की शुरुआत की। टीम के क्षेत्र में पहुंचने पर एक परिवार द्वारा तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए जनगणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी और सटीकता के साथ पूरा करने का संदेश दिया।

निगवानी गेहूं खरीदी केंद्र का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने निगवानी स्थित गेहूं उपार्जन खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर मौजूद किसानों से बातचीत कर खरीदी प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तौल व्यवस्था भंडारण और किसानों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की और केंद्र प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों।उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।इस दौरान पास स्थित निगवानी वेयरहाउस में रखे चावल के लॉट की गुणवत्ता की भी जांच की गई जिसमें गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई। वेयरहाउस प्रभारी ने बताया कि चावल

खनुजा राइस मिल और मां नर्मदा राइस मिल से आया है। इस पर कलेक्टर ने गुणवत्ताहीन चावल को वापस करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन तहसीलदार खाद्य अधिकारी कृष्ण कुमार सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बजाग में जनगणना 2027 का पहला चरण शुरू, HLO ऐप से हो रहा डिजिटल सर्वे

डिंडौरी । भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण और आवास गणना का कार्य आज से शुरू हो गया है। यह अभियान 30 मई 2026 तक जारी रहेगा।कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी सुश्री भारती मरावी के निर्देशन में पहले दिन बजाग क्षेत्र के उत्कृष्ट विद्यालय बजाग और उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनगणना से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए सभी प्रगणकों को HLO ऐप के माध्यम से डेटा संग्रह की प्रक्रिया समझाई गई।इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बजाग सुश्री भारती मरावी तहसीलदार श्री भरत सिंह बट्टे बीआरसी श्री ब्रजभान सिंह गौतम और सहायक प्रबंधक श्री भरत अग्रवाल की उपस्थिति में HLB क्रमांक 0088 के अंतर्गत प्रगणक श्री अनुग्रहदीप और पर्यवेक्षक श्री चंद्रभान शर्मा ने जनगणना कार्य की शुरुआत की। टीम के क्षेत्र में पहुंचने पर एक परिवार ने तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए जनगणना कार्य को पूरी जिम्मेदारी और सटीकता के साथ पूरा करने का संदेश दिया।

शहपुरा में सामूहिक विवाह की तैयारियों की समीक्षा

डिंडौरी। विधायक शहपुरा ओमप्रकाश धुर्वे की अध्यक्षता में जनपद पंचायत शहपुरा कार्यालय में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम एसडीओपी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कार्यक्रम की व्यवस्थाओं आवश्यक संसाधनों विभागीय समन्वय और आयोजन को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को समय पर सभी तैयारियां पूरी करने और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।बैठक के अंत में विधायक ने जनगणना 2027 को

सफल बनाने के लिए जिलेवासियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जब जनगणना कर्मचारी घर पहुंचे तो उन्हें बैठने की व्यवस्था पानी और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए ताकि सही आंकड़े संकलित हो सकें। उन्होंने बताया कि यह कार्य देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस अवसर पर शहपुरा एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा तहसीलदार आर पी मार्को और विकासखंड स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

औरई ग्राम से शुरू हुआ जनगणना अभियान, सही आंकड़ों के लिए सहयोग की अपील

डिंडौरी। जिले में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण कार्य की शुरुआत ग्राम पंचायत औरई से की गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने किसान भाव सिंह और सूचीकरण कार्य में लगे कर्मचारियों का स्वागत कर अभियान का शुभारंभ कराया।कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है जिसके माध्यम से शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे सूचीकरण कार्य में लगे कर्मचारियों को सही जानकारी दें और पूरा सहयोग करें

ताकि यह कार्य समय पर और बिना त्रुटि के पूरा हो सके। कलेक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सूचीकरण कार्य पूरी गंभीरता पारदर्शिता और तय मानकों के अनुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि हर परिवार और मकान का सही विवरण दर्ज होना जरूरी है जिससे भविष्य की योजनाएं सटीक आंकड़ों के आधार पर तैयार की जा सकें।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी और एसडीएम रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।जिले में मकान सूचीकरण अभियान तय कार्यक्रम के अनुसार चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा।

आरोह 2026 खेल शिविर पांच मई से शुरू बच्चों को प्रतिभा निखारने का मिलेगा अवसर

डिंडौरी । खेल युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देश पर जिले में बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने और ग्रीष्मकालीन अवकाश का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का आयोजन 5 मई से 5 जून 2026 तक किया जाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिविर का आयोजन खेल विभाग पुलिस विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग उच्च शिक्षा विभाग जनजातीय कार्य विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से किया जाए। प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और शाम 5 बजे से 7 बजे तक जिला और विकासखंड मुख्यालयों में संचालित होगा।

जिला मुख्यालय पर एथलेटिक्स वॉलीबॉल बास्केटबॉल और कराते के प्रशिक्षण दिए जाएंगे जबकि प्रत्येक विकासखंड में दो खेलों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके साथ व्यक्तित्व विकास प्रेरणात्मक सत्र सांस्कृतिक कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता साइबर जागरूकता नशा मुक्ति और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां भी कराई जाएंगी।कलेक्टर ने प्रशिक्षण स्थलों पर साफ सफाई पेयजल प्राथमिक उपचार किट ओआरएस और बच्चों के लिए हल्के नाश्ते की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर के समापन पर जिला और विकासखंड स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र दिए

जाएंगे।उन्होंने कहा कि तैराकी सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं को भी अवसर दिया जाए और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों को मां नर्मदा घाटों की स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाए।

बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों और प्रशिक्षकों को आपसी समन्वय से शिविर का सफल संचालन करने और अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।बैठक में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद अहमद खान ने शिविर की रूपरेखा और खेल गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रमेश मरावी जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार डीपीसी श्वेता अग्रवाल नगर पालिका के आर के बाघेल चन्द्रविजय महाविद्यालय के अमीर खान पुरुषोत्तम राजपूत जनसंपर्क अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे।